SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

शिक्षा के माध्यम से युवावस्था में भावानात्मक बुद्धि का विकास

नीरू बाला, शोधार्थी, प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाटिका, जयपुर–303905

आधुनिक शिक्षा के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–2 भावनात्मक बुद्धिमता के विकास पर जोर दिया जा रहा है। चूंकि शैक्षणिक संस्थान 21वीं सदी की दुनिया की जटिलताओं से निपटने में सक्षम व्यक्तियों को तैयार करना चाहते है। आज के समय में छात्रों की सफलता और समग्र कल्याण को आकार देने में भावनात्मक बुद्धिमता की भूमिका एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभर कर आई है। सरल शब्दों में भावनात्मक बुद्धिमता का अर्थ उन शब्दों से है जिसमें किसी की और दूसरों की भावनाओ को पहचाननें व समझने की क्षमता शामिल है। जो विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए उन्हे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करती है।

शब्द कोशः – विद्यार्थी, भावनात्मक बुद्धिलब्धि, शैक्षिक बुद्धिलब्धि

प्रस्तावना

गीता में कहा गया है "सा विद्या विमुक्ते" अर्थात शिक्षा वही है, जो हमे बंधनों से मुक्त करे और हमारे हर पहलु का विस्तार करे। शिक्षा प्रकाश का वह माध्यम है, जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों मे हमारा सच्चा पथ–प्रदर्शन या मार्ग–दर्शन करती है। शिक्षा के माध्यम से ही हमे इस संसार में सुख, समृद्धि एवं सुयष की प्राप्ति होती है तथा परलोक में मोक्ष। इसलिए ज्ञान को मनुष्य का तीसरा नेत्र कहा गया है। षिक्षा के द्वारा ही मनुष्य में जीवन वास्तविकता को समझने की शक्ति उत्पन्न होती है।

बालक की मूल प्रवृतियों का शोधन कर उन्हें समाज का एक उपयोगी अगं बनाने का कार्य शिक्षा द्वारा ही किया जाता है। अर्थात शिक्षा वह माध्यम है, जिससे व्यक्ति अपने व्यवहार में समुचित परिवर्तन लाने का प्रयत्न करता है।

युवावस्थाः–

युवावस्था के लिए आंगल भाषा में एडोलेसेन्स' शब्द का प्रयोग किया जाता है। इस शब्द की उत्पति लेटिन थापा के एडोलेसीअर' शब्द से हुई है, जिसका अर्थ होता है वृद्धि होना। इस अर्थ मे युवावस्था को अत्यधिक वृद्धि व विकास की अवस्था समझा जाता है। वृद्धि व विकास के सभी आयामों के आधार पर बालक–बालिकाओं मे अवस्था में अनेक परिवर्तन दिखाई देते हैं।

भावनात्मक बुद्धिलब्धि :–

भावनात्मक बुद्धिलब्धि हमारी भावनाओं से जुड़ी होती है। इसकी सहायता से हम स्वयं अपनी भावनाओं और दूसरों की भावनाओं को समझते हैं और उन्हें समायोजित करते है। भावात्मक बुद्धिलब्धि आपस मे अच्छे रिश्ते बनाने और सही समय पर सही ढंग से स्वयं को प्रस्तुत करने में हमारी मदद करता है।

शैक्षणिक बुद्धिलब्धि

शैक्षिक क्षेत्र में विद्यार्थियों द्वारा अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन उनकी शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धि का सूचक होता है। उपलब्धि परीक्षण द्वारा विद्यार्थियों का अर्जित किये वाले ज्ञानात्मक स्तर का मूल्यांकन किया जाता है।

एनास्टासी (1961) के अनुसार शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सफलता के स्तर का वह मूल्यांकन है, जो विद्यार्थियों के शैक्षिक निर्देशो को समझने के प्रयास तथा उनकी आयु व स्तर के अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति से अभिव्यक्त होता है।

शिक्षा के संदर्भ में (म्) की भूमिकाः–

शिक्षा के संदर्भ में ई.आई. पारम्परिक शैक्षणिक कौशल से आगे बढ़कर छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने में सहानुभूति, आत्मजागरूकता, सामाजिक कौशल और आत्म नियमन के महत्त्व पर जोर देता है।

आधुनिक शिक्षा में भावनात्मक बुद्धिमता की भूमिका एक सीखने के वातावरण में आपसी सम्बंधों को बढ़ाना है। एक शिक्षक छात्रो के बीच सहानुभूति व समझ को बढ़ावान देकर बच्चों में अपनेपन तथा सौहार्द की भावना को बढ़ावा दे सकता है। जब विद्यार्थी अपनी भावनाओं को समझने और प्रबंधित करने के कौशल में दक्ष होते है तो वे संघर्षों से जूझने, प्रभावी ढंग से संवाद करने और अपने सहपाठियों के साथ सहयोग करने तथा सहयोगात्मक व सकारात्मक शिक्षण समुदाय को बढ़ावा देने के लिए बेहतर

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

स्थिति में होते है। इससे अलावा षिक्षा के भावनात्मक, बुद्धिमता का विकास छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त उपकरण के रुप में कार्य करता है।

आधुनिक शिक्षा में भावनात्मक बुद्धिमता की भूमिका जीवन कौशल को बढाने तक फैली हुई है जो कक्षा से हटकर सफलता के लिए आष्यक है। आपसी संचार, अनुकूलनषीलता व संघर्ष समाधान कौषल के विकास पर जोर देकर, शैक्षणिक संस्थान छात्रों को अनेक प्रकार की व्यावसायिक वातारण में आगे बढ़ने के लिए तैयार कर सकते है। मानवीय भावनाओं की जटिलताओं को समझने तथा नेविगेट करने की क्षमता विद्वार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भाना को बढ़ावा देती है। जिससे वे मजबूत पेषेवर सबंध बनाने तथा कार्यबल में प्रभावी ढंग से सहयोग करने में सक्षम होते हैं।

इसके अलावा आज के इस डिजिटल युग में जहाँ तकनीकी प्रगति शैक्षणिक परिदृष्य को आकार दे रही है वही भावनात्मक बुद्धिमता का एकीकरण डिजिटल नागरिकता को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। सहानुभूति तथा नैतिक निर्णय लेने के मूल्यों को सथापित करके, षिक्षक छात्रों को उनके ऑनलाईन अन्तक्रिया के प्रति एक सचेत दृष्टिकोण प्रदान करने, सम्मान, सहिष्णुता व डिजिटल कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देने में मार्गदर्शन कर सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को अपने ऑनलाईन तथा ऑफलाइन जीवन के बीच एक स्वस्थ संतुलन विकसित करने, डिजिटल जुड़ाव को बढ़ावा देने और उनके भावानात्मक और मनोवैज्ञानिक कल्याण की रक्षा करने में सहायता मिल सकती है।

शिक्षक पाठ्यक्रम तथा कक्षागत रणनीतियो में भावनात्मक बुद्धिमता को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। अन्तः क्रिया आधारित शिक्षण गतिविधियाँ, समूह–चर्चा और चिंतनशील अभ्यासों को शामिल कर शिक्षक एक अनुकूल षिक्षण वातावरण बना सकता है। जो भावानात्मक जागरुकता एवं सामाजिक क्षमता को बढ़ावा देते है।

सचेतन प्रथाओ व परम्पराओ, भावनात्मक साक्षरता कार्यक्रमों और सामाजिक भावनात्मक रूप से सीखने की पहल और को बढ़ावा देने से छात्रो को अपनी भावनात्मक बुद्धि विकसित करने के लिए व्यावहारिक उपकरण प्रदान किए जा सकते है। जिससे वे आत्मविष्वास तथा लचीलेपन के साथ इस संसार की जटिलताओ को समझने में सक्षम हो सकते हैं।

शिक्षण में सामाजिक भावनात्मक सीखने की रणनीतियाँ

- जर्नल लेखन को बढावा देना
- एक विष्वसनीय ए.एस.ई.एल. पाठ्यक्रम तैयार करना
- सामाजिक भावनात्मक शब्दावली का निर्माण करना
- स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करना
- आत्म जागरूकता कौशल का विकास करना

निष्कर्ष रूप मे आधुनिक शिक्षा में भावनात्मक बुद्धिमता की भूमिका शैक्षणिक उपलब्धि से आगे बढ़कर छात्रो के सर्वांगीण विकास और कल्याण की भावना को आकार देने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शैक्षिक ढांचे में भावनान्त्मक बुद्धिमता को एकीकृत करने से न केवल अधिक सहानुभूतिपूर्व व समावेषी सीखने का वातावरण तैयार होता है। बल्कि विद्यार्थियों को 21वीं सदी की लगातार विकसित होने वाली चुनौतियों से निपटने हेतु सक्षम जिम्मेदार वैष्विक नागरीक बनने के लिए भी तैयार किया जाता है।

इसके अलावा यदि कोई ऐसी चीज है जो कोविड़–19 के बाद शिक्षा में भावनात्मक रुप से मुख्य भूमिका अदा कर रही है तो वह है छात्रों के सामाजिक भावनात्मक शिक्षा की तात्कालिकता। क्योंकि हमारा जीवन तनाव से भरा हुआ है। तनाव के जटिल दुष्प्रभाव युवा, वयस्कों को भावनात्मक स्तर पर प्रभावित करते हैं। इसलिए किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए, उनकी सम्पूर्ण भलाई को बनाए रखने के लिए इस भावनात्मक तनाव को पहचानना, समझना बहुत महत्त्वपूर्ण है।

इसलिए अन्त में मेरा मानना यह है कि भावनात्मक शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया को संदर्भित करती है जिसकी मदद से बच्चे और युवा भावनाओ को समझने, प्रबंधित करने तथा दूसरों के प्रति सहानुभूति महसूस करने तथा सकारात्मक लक्ष्य निर्धारित करने और स्वयं निर्णय लेने के लिए ज्ञान, कौशल व दृष्टिकोण प्राप्त करते हैं।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- बुच, एम.बी. (1993–2000) : सिक्स्थ सर्वे ऑफ एजूकेषनल रिसर्च, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
- ब्रेहमैन, एंड बर्च्द (2007), "इमोशनल इंटेलीजेंस, कम्पेरिंग साइंस एंड आर्ट्स स्टूडेंट्स" रिसर्च पेपर, जनरल आफ साइकोलिंगुआ, वॉल्यूम 09(2) पृष्ठ 105–111
- भावलकर, स्मिता एण्ड अमलर्नेकर, स्वाती (2018), इमोशनल इंटेलीजेसं : पिवोट इन एडोलसेसं. एजुट्रैक सितम्बर वॉल्यूम 18 नं0 1 पृष्ठ सं0 15–17
- मंगल, एस.के. (2010) : षिक्षा मनोविज्ञान, तृतीय संस्करण, पी0 एच0 आई0 लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- मिश्रा, के.एस. एवं अन्य, (2012). कॉग्निटिव एण्ड ॲफेक्टिव कोरिलटे ऑफ इमोशनल इंटेलीजेसं. अनुभव पब्लिकेशन हाऊस इलाहाबाद, पृष्ठ 7 – 15
- मोहम्मद, महमूद आलम (2012),"इमोशनल इंटेलीजेंस एफिसेसी एण्ड कैरियर मच्यैोरिटी अमंग द स्टूडेंट्स आफ हैदराबाद सिटी "जनरल आफ कम्युनिटी गाइडेसं एण्ड रिसर्च, वॉल्यूम 09(2) पुष्ट 179–182
- यादव, पी.एन. (2013), "इमोशनल इन्टेलीजेंस एण्ड वल्यैूज ऑफ एडोलोसेन्ट्न्स स्टडीइंग इन गवर्नमेटं स्कूल्स, रिसर्च पेपर जनरल एजुट्रेक्स, वाल्यूम (12) पृष्ठ 165–171
- राइस, डी. एम. (2007), "एन एक्जामिनेशन ऑफ इमोशनल इंटेलीजेसं : इट्स रिलेशनशिप टू एकेडमिक अचीवमेटं इं आर्मी जे.आर.ओ.टी.सी. एंड द इम्पलिकेशन फॉर एडुकेशन" रिसर्च पेपर, जनरल ऑफ सैकोलिंगुआ, वॉल्यूम 11(2) पृष्ठ 175–179
- लेविन, एम (2014). स्पिरिचुअल इंटेलिजेसं, अवेकनिंग द पावर ऑफ योर स्पिरिचुअलिटी एंड इटुइशन, लंदन : होड्डेर – स्टौघ्टन.
- शर्मा, पी.डी. (2018), एथिक्स सत्यनिष्ठ एवं अभिवृत्ति केस अध्ययन सहित. रावत पब्लिकेषन्स, जयपुर, पृश्ठ सं0 78 – 105